तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशिवल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	पत्रा० पेश हुई वकील वादी अनु०। पक्षा० के तीन बार आवाज लगवायी गयी। परन्तु वकील वादी उप० न ही स्वयं वादी उप०। इनके अनु० रहने पर पत्रा० अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज की जाती है पत्रा० फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो बाद तामील तकमील दाखिल दफ्तर हो। [signature]	